विधि महाविद्यालय में अवार्ड... पृष्ठ 2 | जहाँ ज्ञान हो, संस्कार हो, वहीं से... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्सन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।

।। जय श्री जलाराम।।
श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर
उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।
ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

सोमवार, 21 अप्रैल 2025, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 49, अंक 181, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में चैंबर ऑफ कॉमर्स की है महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

रायपुर। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में व्यापार, व्यवसाय और उद्योग तेजी से विकास कर रहे हैं, जिसके कारण जीएसटी कलेक्शन में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प लिया है। इसके लिए हम सबको मिलकर विकसित छत्तीसगढ़ बनाना होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में चैंबर के अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी, महामंत्री श्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष श्री निकेश बरड़िया सहित अन्य पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज 62 वर्षों से कार्यशील है, जिससे 12 लाख व्यापारी जुड़े हैं। प्रदेश के इस सबसे बड़े व्यापारी संगठन के इतिहास में पहली बार सर्वसम्मति से निर्वाचन संपन्न हुआ है, जो संगठन की एकजुटता का प्रमाण है। इस परंपरा को यह संगठन आगे भी कायम रखे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योग और व्यापार की उन्नति के लिए राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने छोटे व्यापारियों को हमेशा प्राथमिकता दी है। ई-वे बिल की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी गई है। हमने पेट्रोल पर वैट 1 रुपये प्रति लीटर कम किया है। व्यापारियों को राहत देते हुए 10 साल पुराने लंबित मामलों में 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारी को माफ किया गया है। इसका लाभ प्रदेश के 40 हजार व्यापारियों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई उद्योग नीति से उद्योगों के लिए प्रदेश में सकारात्मक वातावरण बना है। इसके लागू होने के बाद से अब तक प्रदेश में साढ़े चार लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। नवा रायपुर में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए हाल ही में प्लांट का भूमिपूजन हुआ है। हाल ही में हमने दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया। देशभर के कारोबारियों और

उद्योगपतियों में इसे लेकर गजब का उत्साह है। वे छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल होना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने चैंबर के पदाधिकारियों से राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया, जिससे प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित हो सके। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए बाजार में धन का प्रवाह आवश्यक है। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की धुरी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान की रिकॉर्ड खरीदी की। दो साल का धान बोनस भी दिया गया। प्रदेश का बजट 6000 करोड़ से बढ़कर अब 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपये का हो गया है। देश में सर्वाधिक ऑटोमोबाइल विक्रय छत्तीसगढ़ में हो रहा है, जो यह दर्शाता है कि हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ देश के प्रथम तीन विकसित राज्यों में शामिल होगा। प्रदेश के विकास में चैंबर की भी उल्लेखनीय भागीदारी होगी। पूर्व सांसद और पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस ने कहा कि छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार उद्योग और व्यापार की उन्नति के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इसी प्रकार उद्योग जगत भी प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहा है। जब दोनों पहिए साथ-साथ चलते हैं, तो विकास की रफ्तार तेजी से बढ़ती है। रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सर्वसम्मति से चैंबर के चुनाव होना यह दर्शाता है कि व्यापार जगत तेजी से आगे बढ़ेगा। जो देश व्यापार, व्यवसाय और उद्योग को बढ़ावा देता है, उसकी तरक्की को कोई नहीं रोक सकता। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में यह कार्य कुशलता से किया जा रहा है। उन्होंने चैंबर के सदस्यों से आग्रह किया कि गर्मियों में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए पानी, पना और मठा का वितरण करें। इस अवसर पर संत साईं उदय शदाणी, साईं लालदास, अम्मा महंत मीरा देवी, अनेक जनप्रतिनिधि, निगम-मंडलों के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जॉर्डन में आयोजित एशिया जिजत्सु प्रतियोगिया राजनांदगांव के खिलाड़ियों का चयन

खिलाड़ियों की सुविधाओं पर लगातार प्रयास की बात कही..

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। 23 मई से 25 मई 2025 तक अम्मान जॉर्डन में आयोजित नवी एशिया जूजित्सु प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है जिसमें डोंगरगढ़ से राणा वसुंधरा सिंह का चयन 65 किलोग्राम वजन समूह एवं जतिन राहुल राजनंदगांव का चयन 69 किलोग्राम वजन समूह में भारतीय दल में हुआ है अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक श्री राणा अजय सिंह ने जानकारी दी की दोनों खिलाड़ी नेवाज एवं फाइटिंग सिस्टम दिनों इवेंट में भाग लेंगे। एशियाई प्रतियोगिता से पूर्व भारतीय दल का प्रशिक्षण सिविर हल्द्वानी नैनीताल उत्तराखंड में दिनांक 22 अप्रैल से 28 अप्रैल तक किया जा रहा है जिसमें भाग लेने के लिए दोनों खिलाड़ी

रवाना हुए। इससे पूर्व राणा वसुंधरा सिंह का चयन युथ वर्ल्ड चैंपियनशिप ग्रीस यूरोप के लिए भी भारतीय दल में हो चुका है फरवरी माह में बैंकॉक थाईलैंड में आयोजित यूथ एशिया जूजित्सु चैंपियनशिप में डोंगरगढ़ से वेदांश मोहने ने भारतीय दल का प्रतिनिधित्व किया। जिला अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी ने बताया कि लगातार जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ीयो का चयन राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है जो राजनांदगांव जिले के लिए गौरव का विषय है खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं के लिए शासन स्तर पर कई तरह के प्रयास किये जा रहे है जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का सही इस्तेमाल करने का अवसर मिल सके जल्द ही डोंगरगढ़ नगर के खिलाड़ियों को आउटडोर स्टेडियम व इंडोर स्टेडियम की बात जिला अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी ने पूर्व विधायक व प्रदेश भाजपा महामंत्री रामजी भारती जी व नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे जी के समुख रखी है जिसकी चर्चा विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी प्रभारी मंत्री विजय शर्मा जी पूर्व सांसद मधुसूदन यादव जी से पूर्व में हुई थी आशा है जल्द यह सौगात डोंगरगढ़ नगर को मिल पाएगी साथ ही चयनित खिलाड़ियों को नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे सभापति अमित जैन खेल संघ के जिला सचिव तरुण वरकड़े श्रेयस भैया अनमोल बागड़े ने अपनी ओर से पदक जीत कर आने की अग्रिम शुभकामनाएं देकर खिलाड़ीयो का सम्मान किया।

भगवान् परशुराम प्राकट्योत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। ब्राह्मण समाज द्वारा विप्र भवन केदार बाड़ी खैरागढ़ रोड डोंगरगढ़ में सामान्य बैठक हुई जिसमें आगामी 29 व 30 अप्रैल को 2 दिवसीय भगवान परशुराम जी का प्राकट्योत्सव कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया । जिसमे प्रथम दिवस 29 अप्रैल को समाज के महिलाओ के लिए रंगोली, थाल सजाओ प्रतियोगिता, मोमबत्ती जलाना सहित अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी और बच्चों के लिए ड्राईंग , पेंटिंग,जलेबी दौड़, भगवान परशुराम जी के जीवनी में संक्षिप्त निबंध, चौपाई , दोहा, सहित अन्य धर्मिक प्रतियोगिताए आयोजित की जाएगी । द्वितीय दिवस सुबह 8 बजे से ब्राह्मण बटुकों का उपनयन संस्कार , सुंदर कांड के बाद भगवान परशुराम जी की शोभा यात्रा पूरे शहर भ्रमण कर विप्र भवन पहुचेगी जिसके पश्चात भगवान परशुराम जी की आरती पूजा अर्चना के पश्चात पुरुष्कार वितरण, समाज के मेघावी छात्रों का सम्मान के बाद भोजन प्रसादी कराया जाएगा। बैठक में प्रमुख रुप से अध्यक्ष अनिल पांडेय, उपाध्यक्ष दुर्गेश शुक्ला,प. युवराज शर्मा, राजेन्द्र गर्ग, अमिताभ पांडे, सचिव ललित शर्मा, कोषाध्यक्ष चंद्रमणि ओझा, मीडिया प्रभारी महेंद्र शर्मा, प्रमोद शुक्ला, सहित समाज के आधार स्तम्भ वरिष्ठ वासुदेव पांडेय, लक्ष्मण पांडेय, अशोक पांडे, वाशुदेव मिश्रा, पुरुषोत्तम दुबे , पूरण शर्मा,शशांक उपाध्याय, सहित युवा विंग अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पांडे, परशुराम सेना शहर अध्यक्ष राहुल मिश्रा, अभिषेक शुक्ला, शिशिर मिश्रा, ऋषि मिश्रा, आदित्य मिश्रा, अक्षत गर्ग, मनीष तिवारी, अभिषेक तिवारी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

आज रुदगांव में कामता प्रसाद का कार्यक्रम

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। समीपस्थ ग्राम रुदगांव में 21 अप्रैल सोमवार को रात्रि 7 बजे से श्रीराम चरित मानस कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है कार्यक्रम में प्रसिद्ध व्याख्याकार कामता प्रसाद शरण द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी कामता प्रसाद पहले से यू ट्यूब में फेमस और चर्चित हो चुके है कामता प्रसाद द्वारा श्री राम चरित मानस को एक अलग अंदाज में व्याख्यान करेंगे , कार्यक्रम में श्रेत्र के मानस प्रेमी नागरिकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

शीला टाकेश ने किया गांव गांव में प्रधानमंत्री आवास का सर्वेक्षण

। जिला पंचायत सदस्य श्रीमतीशीला टाकेश सिन्हा ने बीते दिनों जोरातराई बोईरडीह और खैरझीटी पहुंचकर छूटे हुए परिवारों का प्रधानमंत्री आवास प्लस सर्वेक्षण किया। ज्ञात हो कि छूटे हुए परिवार का प्रधानमंत्री आवास प्लस ग्रामीण सर्वेक्षण 2.0.025 मोर द्वार साय सरकार योजना अंतर्गत गौरी बाई सिन्हा और बुधियारिन सिन्हा ग्राम जोरातराई, तोरण बाई शिव कुमार, धनेश्वरी चंद्रकुमार ग्राम बोरईडीह, मनटोरा अंकालु मरकाम, कौशल्या सिन्हा धुरचंद सिन्हा ग्राम खैरझिटी आदि हितग्राहियों के घर जाकर सर्वेक्षण कराया गया । इस दौरान श्रीमती सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत केंद्र की भाजपा सरकार और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नीति राज्य की भाजपा सरकार के निर्देशानुसार जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा मोर दुआर साय सरकार महा अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण

के तहत पात्र हितग्राहियों की पहचान हेतु आवास सर्वेक्षण में शामिल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना हर घर हो पक्का मकान इस सपने को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महा अभियान की शुरुआत की गई है जिसमें सभी हितुराहियों को पक्के मकान का सपना अब भाजपा सरकार में साकार हो रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा जिला पंचायत सदस्य के साथ श्रीमती रोहनी साहू सरपंच, टाकेश सिन्हा, लाकेश साहू,कलेंद्री लहरें रोशनी देवगन, पुष्पा देवांगन, चमेली साहू, कामता साहू शेखर देवांगन, दुलारी सिन्हा, सरपंच नेमू वर्मा, पंकज देसलहरे, बैसाखिन सिन्हा, निर्मला बघेल, पूर्णिमा पटेल, अनुसुइया सिन्हा, रिखी जांगड़े, परमानंद नेताम, राजेश साहू, राजेश मोहालिया रोजगार सहायक, नगिता डेहरे आवास मित्र सहित पंचगण, ग्रामवासी, रोजगार सहायक, आवास मित्र आदि उपस्थित थे।

कोसरिया यादव समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सांसद संतोष पांडे शामिल हुए

नव विवाहितो को आशीर्वाद प्रदान किया

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। आज डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम घोरदा में राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे कोसरिया यादव समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहभागिता कर स्वजनों से आत्मीय भेंट कर संवाद किया। साथ ही नवविवाहित युगलों को मंगलमय जीवन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता, सहयोग तथा परंपरा की सुंदर मिसाल होते हैं। सभी नवदंपतियों को जीवन की नई यात्रा के लिए कोटिशः शुभकामनाएँ। सांसद संतोष पांडे ने संबोधित करते हुए आगे कहा कि सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यमों के एक-दूसरे से जुड़े आपसी भाईचारे बनाए रखना रहना ही एकता का परिचय देता है श्री पांडे ने कोसरिया यादव समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है, समाज के होनहार युवा खेल सहित अन्य कलाओं में सक्रिय भूमिका निभाते हुए देश-विदेश में अपना परचम लहरा रहा है जो समाज का गौरव बढ़ा रहा है। ऐसे आयोजन कर सनातन गरिमा को प्रतिष्ठा देने का काम किया है जिसके लिए यादव समाज को पुन: बधाई देता हूं। सामाजिक कार्यक्रम होने से समाज में एकता और भाईचारे कायम होती है। कार्यक्रम के दौरान समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान व युवक-युवतियों और बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

nandgaon times April-21-1.qxd 4/20/2025 10:17 PM Page 2

विधि महाविद्यालय में अवार्ड सेरेमनी में सम्मानित हुए प्रतिभावान विद्यार्थी

एल एल एम के लिए संचालक मंडल कर रहा प्रयास ...

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिले के एक मात्र पंडित किशोरीलाल शुक्ल विधि महाविद्यालय के अवार्ड सेरेमनी कार्यक्रम में भविष्य के अधिवक्ताओं को उनकी प्रतिभा के चलते सम्मानित किया गया । सम्मानित होने वालों में विधि की परीक्षा के अंतिम सेमेस्टर में विश्वविद्यालय सहित महाविद्यालय में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए गए । साथ ही वार्षिक खेल - कूद प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन वालों को भी पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय कुमार साहू (ए डी जे) तथा डी आर देवांगन (फर्स्ट ए डी जे) ने समारोह में अपने विचार रखे । नांदगांव शिक्षा मंडल द्वारा संचालित पंडित किशोरीलाल शुक्ल विधि महाविद्यालय में 19 अप्रैल को अवॉर्ड सेरेमनी कार्यक्रम उत्साह के माहौल में संपन्न हुआ। उक्त अवसर पर शाम लगभग 5.30 बजे मुख्य अतिथि द्वय विजय कुमार साहू (ए डी जे) एवं डी आर देवांगन (फर्स्ट ए डी जे) के साथ नांदगांव शिक्षा मंडल के अध्यक्ष नंदकुमार अग्रवाल , सचिव सुरेश एच लाल , महाविद्यालय के प्रशासक डॉ आर एन सिंह के साथ प्राचार्य श्रीमती अलका चौहान ने मां सरस्वती के तैल चित्र पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति के बीच तालियों की करतल ध्वनि इस बात की साक्षी बन रही थीं कि भविष्य के अधिवक्ता कला में भी निपुण हैं । प्राचार्य श्रीमती अलका चौहान ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । विधि की शिक्षा ग्रहण कर रहे भविष्य के कानूनविदों की मास्टर डिग्री एल एल एम की कक्षाएं प्रारंभ करने के प्रयासों को लेकर सचिव सुरेश एच लाल ने आश्वस्त किया कि जल्द ही यह सुविधा प्रारंभ की जा सकती है । मुख्य अतिथि द्वय ने भी

अपने उद्बोधन में नांदगांव शिक्षा मंडल द्वारा चलाई जा रही कानून की शिक्षा व्यवस्था की प्रशंसा की । वार्षिक खेलकूद में विजई विद्यार्थियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को कानून के साथ ही आल राउंड डेवलपमेंट के संदर्भ में महारथी जैसे शब्दों से सम्मानित किया गया ।

इन विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

कानून की शिक्षा के अंतिम सेमेस्टर में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा मेडल , प्रशस्तिपत्र एवं आकर्षक मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया । विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में - निशि सोनी , नेहा झा , प्रीति साहू , नेतल गांधी , रिया जैन ,वाणी शर्मा तथा वंदना गड़ेवाल का नाम शामिल है ।

कबड्डी प्रतियोगिता में राजनांदगांव की महिला टीम ने प्रथम, भिलाई दूसरे स्थान पर रही

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्व. मेघेन्द्र किशोर बेलचंदन स्व.कमल नारायण निषाद, स्व. हरीश सिन्हा की स्मृति में दो दिवसीय भव्य महिला पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता ग्राम झोला, पोस्ट तिरगा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में 19 एवं 20 अप्रैल 2025 को आयोजित किया गया। यह आयोजन समस्त ग्रामवासी के अमूल्य सहयोग एवं नूतन क्रीड़ा मंडल झोला के तत्वाधान में प्रतियोगिता का शानदार आयोजन हुआ। आयोजक समिति के कौशल निषाद ने बताया कि प्रतियोगिता में 16 टीमों ने भाग लिया था। जिसमें राजनांदगांव की महिला कब्बड्डी ने टीम प्रथम स्थान प्राप्त किया और दूसरा स्थान भिलाई स्टील प्लांट (बी एस पी) भिलाई की टीम ने दूसरे स्थान प्राप्त किया और तीसरा स्थान पर रायपुर की टीम रही और चतुर्थ स्थान भी रायपुर की टीम विजेता रही। आयोजक समिति द्वारा विजेता टीमों को ट्रॉफी के साथ नगद राशि प्रदान की गई और विजय टीम को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11111,रुपए, द्वितीय 7777, तृतीया 5555, चतुर्थ 3333 रुपए, इसी तरह से महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 10000 नगद, द्वितीय 7000 नगद,तृतीय 5000 नगद चतुर्थ3000 नगद इसके अलावा आकर्षक पुरस्कार बेस्ट ऑल राउंडर,बेस्ट रेडर, बेस्ट कैचर,बेस्ट ब्लॉकर, बेस्ट डमी में प्रदान किया गया।

सांगिनकछार में अम्बेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाया गया

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम सांगिनकछार में में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आम्बेडकर कि 134 वी जयंती मनाया गया बाबा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुजा अर्चना किया गया एवं मोमबत्ती जलाकर याद किया इस अवसर पर गांव के ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक खोमलाल लहरें, पंच चेक राम वर्मा, पंच टेकचंद धुर्वे, एवं वरिष्ठ नागरिक बिरेंद्र कंवर,तिहारु सिन्हा, पुरुषोत्तम यादव सागर वर्मा, गणेश्वर सिन्हा,मथारु कंवर, जितेन्द्र सिन्हा, प्रिंस सिन्हा,टीया सिन्हा उपस्थित थे ।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदुओं केसाथ हो रहे अत्याचार के विरोध में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। धर्मनगरी डोंगरगढ़ में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने आज दिनांक 18 अप्रेल को भारत के महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें पश्चिम बंगाल में जेहादियों को मौन समर्थन देकर हिंदुओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार करने वाली ममता सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई। विदित रहे कि वक्फ बोर्ड संसोधन बिल के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जेहादियों द्वारा हिंदुओं के साथ अत्याचार, लूटपाट, बहन बेटियों से बलात्कार, हिंदुओं के घरों व दुकानों में आगजनी की गई जिससे वहां का हिंदु समाज अपने ही देश में पलायन करने को विवश है। इस घटना से पूरे देश के हिंदू समाज में आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन लेने के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगढ़ के प्रतिनिधि के रूप में लाल बहादुर नगर के नायब तहसीलदार राजेश कुमार नेताम उपस्थित रहे। वहीं ज्ञापन देने वालों में तरुण हथेल विहिप ज़िला कार्यकारी अध्यक्ष,हनी गुप्ता बजरंग दल जिला सहसंयोजक, बालमुकुंद तराने विहिप नगर अध्यक्ष, ऋषभ डकहा बजरंग दल नगर संयोजक,मोंटी भाटिया (सांसद प्रतिनिधि),हिमांशु गुप्ता,हेमंत सिन्हा, विमल अग्रवाल, गौरव अग्रवाल,शुभम परिहार, युवराज साहू, संजय जंघेल,चूड़ामणि चंदेल,भावेश निर्मलकर इत्यादि उपस्थित थे।

विभागीय राजनीति का शिकार हो गए पीसी साहू: नियम विरुद्ध स्थानांतरण

हेमंत वर्मा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जब कोई व्यक्ति किसी बुरे चीज का उदाहरण देता है तो उसे राजनीति से तुलना किया जाता है इसका मतलब यह है की राजनीति बहुत गंदी चीज है लेकिन क्या आपको पता है की राजनीति हर जगह चलती है देश में समाज में संगठन में गांव में गली में यहां तक की विभागों में भी जी हां बिजली विभाग जो कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के पास है उस विभाग में स्थानांतरण नीति की जमकर धज्जियां उड़ाई गई डोगरगांव अमलीडीह सब डिवीजन में पदस्थ पीसी साहू का रिटायरमेंट के 3 महीना पहले अवैधानिक तरीके से स्थानांतरण कर दिया गया है और बताया जाता है कि इस पूरे खेल को करने में विद्युत मंडल में पदस्थ एक अधिकारी की भूमिका अहम रही है हालांकि श्री साहू का स्थानांतरण 17 जनवरी 2025 को जारी हो गई थी लेकिन तबादला नीति पालन के तहत उस आदेश को शिथिल किया गया था और उन्हें उम्मीद था कि वह नौकरी रिटायर्ड के 3 महीने तक यहीं पर पदस्थ रहेंगे गोरतलब है कि पी सी साहू इस क्षेत्र में लगातार विद्युत मंडल के रखरखाव ट्रांसफर नए ट्रांसफर कनेक्शन के लिए बेहतरीन उपलब्धि रही है उन्होंने विभाग में वर्षों से लंबित करोड़ों रूपया अलग अलग विभागों में बिलों को भी रिकवरी किया है साथ ही उन्होंने कई करोड़ों रुपए के मेगा प्रोजेक्ट इस

डिवीजन के अंतर्गत मानपुर मोहला अंचल को दिए हैं ऐसे में उनके स्थानांतरण लोगों को ग्रामीणों को किसानों को एवं भाजपा कार्यकर्ताओं को रास नहीं आ रहा है हालांकि अभियंता संघ इस मामले को लेकर कोर्ट जाने की तैयारी है लेकिन दुसरी ओर पीसी साहू का कहना है कि उन्होंने अपना काम ईमानदारी से किया है लेकिन अब यह विभाग को सोचना चाहिए कि उन्होंने मुझे क्या दिया है वहीं दूसरी ओर इस निर्णय से किसानों में बेहद आक्रोश है उन्हें उम्मीद है कि पीसी साहू को सरकार जरूर वापस करेगी पीसी साहू का जून के आखिरी या जुलाई के प्रथम सप्ताह में रिटायरमेंट होने वाला है और क्षेत्र की जनता चाहती है कि जिन्होंने विद्युत मंडल जिस पर आए दिन लोगों के आरोप लगते रहते हैं वहां पर उन्होंने इतना बेहतरीन काम किया है कि पीसी साहू को इसी विद्युत मंडल में रहकर रिटायरमेंट ससम्मान ग्रामीणों के माध्यम से किया जाना चाहिए वहीं दूसरी और विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार किसी भी अधिकारी कर्मचारी के रिटायरमेंट वर्ष में तबादला नहीं किया जाता संघ ने इस संबंध में हाई कोर्ट का रुख अख्तियार करने का निर्णय लिया है दूसरी ओर राजनांदगांव से कार्यपालन अभियंता बीरबल उनके ने पदभार ग्रहण कर लिया है अब देखने वाली बात यह है कि आखिर मुख्य कार्यपालन अभियंता पीसी साहू का स्थानांतरण निरस्त होता है कि नियमों को ताक में रखकर लिए गए निर्णय यथावत रहता है

युगांतर के 14 विद्यार्थी नेशनल अंडर आर्म क्रिकेट प्रतियोगिता में चयनित

राजनांदगाँव (नांदगांव टाइम्स)। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था युगांतर पब्लिक स्कूल टीम ने डोंगरगढ़ की टीम को राज्य स्तरीय अंडर आर्म क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में हराकर राष्ट्रीय अंडर आर्म क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। टीम शिमला में 8 मई से 11 मई तक आयोजित राष्ट्रीय अंडर आर्म क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कोच सुधीर कुमार सिंह और मैनेजर नवनीत द्विवेदी के साथ रवाना होगी। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय अंडर आर्म क्रिकेट में युगांतर ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओव्हरो में 177 रन बनाई। इस विशाल स्कोर में अभिनव भारद्वाज ने 52 , साई सन्त ने 39, मनीष दिनकर ने 17 रनों का योगदान दिया। डोंगरगढ़ की टीम ने इस लक्ष्य का पीछा करते हुए निर्धारित 15 ओव्हरो में 120 रनों में ऑल आउट हो गई। युगांतर के वंश पाण्डे ने 2 ओव्हर में 11 रन देकर 5 विकेट लिए। इसी तरह इरिष अग्रवाल, त्रिलोचन धृतलहरे ने 2-2 विकेट तथा देवांग भाटिया ने 1 विकेट लेकर जीत की इबारत लिखी। डोंगरगढ़ की टीम कोच बाबू राव जनबन्धु तथा मैनेजर ओमेश्वर वर्मा के मार्गदर्शन में प्रभावी खेल का प्रदर्शन किया। टीम के रोशन रोय को बेस्ट ऑल राउंडर तथा देवान्श साहू को बेस्ट बालर के खिताब से नवाजा गया। इसी तरह युगांतर के अभिनव भारद्वाज को बेस्ट ऑल राउंडर , वंश पाण्डे को बेस्ट बालर के खिताब से नवाजा गया। युगांतर के तन्मय को बेस्ट कैच ऑफ टूर्नामेंट, साई सन्त को बेस्ट फिल्डर ऑफद मैच, वंश पाण्डे को मैन ऑफद मैच, अभिनव भारद्वाज को मैच ऑफद सिरीज, त्रिलोचन को मैच ऑफ द टूर्नामेंट के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह राज्य स्तरीय अंडर आर्म क्रिकेट प्रतियोगिता युगांतर में 19 अप्रैल से 20 अप्रैल तक आयोजित हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ की आठ टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में युगांतर का प्रदर्शन शानदार रहा। फाइनल मैच में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यालय के निदेशक(अकेडमिक्स) सुशील कोठारी, अजय सिंगी प्रेसीडेंट अंडर आर्म क्रिकेट एसोसियेशन, अशोक मेहरा सेक्रेटरी अंडर आर्म क्रिकेट एसोसियेशन, विद्यालय के प्राचार्य डॉ मधु पोनुगोटी, पीआरओ स्पोर्ट्स ऑफिसर दिनेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राष्ट्रीय अंडर आर्म क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन की कामना की है। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन तथा फाइनल मैच की शानदार कमेंट्री हिन्दी के विभागाध्यक्ष वी एन राय ने की। टीम के शानदार प्रदर्शन पर चेयरमैन विनोद सदानी, सेक्रेटरी विनय डड्ढा, कोषाध्यक्ष मिश्रीलाल गोलछा, निदेशक नरेंद्र कोटड़िया सहित युगांतर परिवार ने भी हर्ष प्रकट किया है।

तंगी

इस बार समीक्षा कर डाला,
न चाहते, मैंने लिख डाला।
जीवन जीने की मधुर चाह में,
भिन्न समस्या ने जकड़ डाला।
अभी तो अधूरी राह चले है,
पैरो की मरम्मत कर डाला।
जब खोलू पिटारा तंगी निकले,
इस तंगी ने मुझको पीस डाला।
क्यूँ तंग जमाना करता है,
मजबूर को मजबूर कर डाला।
जब होड़ लगे ऊंचे सपनो के,
तब तंगी ने पानी फेर डाला।
अब नहीं जमाना कंडिल का,
इसे ऊंचे महलो ने जकड़ डाला।
चाह नहीं है महलो की,
तंगी ने अभिशप्त कर डाला।

गजेंद्र बख्शी
रिद्धि सिद्धि कालोनी
राजनाँदगाँव

सप्ताह के सितारे (21 अप्रैल 2025)

दैनिक शुभ राशि

सोम	1- 2- 8- 0	12-21-08-80-08-80
मंगल	2- 4 - 7 - 0	24-42-27-72-47-74
बुध	3- 5 - 7 - 8	57-75-58-85-78-87
गुरू	1- 4 - 5 - 9	14-41-15-51-45-54
शुक्र	2 - 5 - 7 - 8	17-71-25-52-48-84
शनि	3 - 4 - 6- 0	46-64-47-74-68-86

अंकों का बादशाह -2 सप्ताह में अचूक 3 - 6 - 7 - 0
सप्ताह का वरदान -0 स्पेशल - 01- 32 -05 -65

सप्ताह में देखे

(1) 13 - 16 - 17 - 10 (6) 63 - 66 - 67- 60
(2) 23 - 26 - 27 - 20 (7) 73 - 76 - 77 - 70
(3) 33 - 36 - 37 - 30 (8) 83 - 86 - 87 - 80
(4) 43 - 45 - 47 - 40 (9) 93 - 96 - 97 - 90
(5) 53 - 56 - 57 - 50 (10) 03 - 06 - 07 - 00

बीते पांच सप्ताह के रिकार्ड

(कल्याण)	(नाइट बाजार)
82-01-14-33-70-13	28-44-55-96-94
33-00-10-79-41-96	57-36-21-28-17
12-04-66-61-62-02	40-70-02-68-53
91-31-44-63-23-93	27-62-81-17-83
40-96-62-80-15-76	72-71-82-39-46

चेतावनी- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक का कोई जवाबदारी नहीं होगी।

संपादक

गायत्री विद्यापीठ में योग एवं जीवन प्रबंधन पर कार्यशाला

स्वामी गोरखनाथ जी का मार्गदर्शन

राजनांदगांव। शिक्षा व संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी जिले की ख्याति प्राप्त संस्था गायत्री विद्यापीठ में स्वामी गोरखनाथ जी द्वारा (जिला मुंगेर, बिहार से) मार्गदर्शन दिया गया जिसमें बड़ी संख्या में कक्षा 6वीं से 12वीं के विद्यार्थी शामिल थे। शाला के सचिव श्री गगन लड्ढा द्वारा स्वामी जी का सारगर्भित परिचय दिया गया जिसमें उन्होंने बताया कि स्वामी जी लंबे समय से सत्यानंद योग आश्रम से जुडें हैं। जिला मुंगेर बिहार से 75 वर्ष की आयु में भी वे हम सभी के लिए प्रेरणा स्वरूप हैं, संयमित जीवन शैली एवं योग के प्रचार-प्रसार के लिए सभी को प्रेरित करते हैं। शाला की हिन्दी विभागाध्यक्ष श्रीमती उषा झा से मिली जानकारी के अनुसार स्वामी जी द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन कैसे जीएं? क्या हमारा आचार-व्यवहार हो, स्वस्थ व दीर्घायु जीवन के कौन-कौन से मापदंड हैं? विद्यार्थियों के क्या दायित्व है? मानवता का गुण क्यों आवश्यक है, हम अपनी संस्कृति से कैसे जुड़े रहे आदि अनेक महत्वपूर्ण जानकारी उन्होंने विभिन्न उदाहरण के माध्यम से विद्यार्थियों को दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए मन का एकाग्र होना भी अति आवश्यक है जो योग ध्यान से आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही क्रोध पर नियंत्रण से हमारी ऊर्जा अच्छे कार्यों में खर्च होती है। हम लड़ाई झगड़ों से बच सकते है। प्रात: जल्दी उठना, संयमित खान-पान लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिदिन 11 बार गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। इससे उनकी स्मरण शक्ति तेज होती है। आदि ऐसी अनेक महत्वपूर्ण जानकारी उन्होंने अपने प्रभावी उद्बोधन में दिया। आरंभ से लेकर अंत तक विद्यार्थी उत्साहपूर्वक स्वामी जी को सुनते रहे। बच्चों ने उन्हें शब्दश: पालन करने का आश्वासन भी दिया। शाला की प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर एवं श्रीमती पिंकी खण्डेलवाल द्वारा स्वामी जी को गुरुदेव का साहित्य, श्रीफल व दुपट्टा देकर सम्मानित किया गया। इस

आयोजन हेतु गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्री राजेश जैन, श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, सचिव श्री गगन लड्ढा, सहसचिव श्री निकुंज सिंघल, मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्री सूर्यकान्त जी चितलांग्या, संरक्षक श्री नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी श्री हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, एकेडमिक डायरेक्टर श्री अमित उत्तलवार, स्कूल प्रशासक श्री अनिल बाजपेयी, प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर, श्रीमती पिंकी खण्डेलवाल, उपप्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, श्रीमती वंदना डुंभरे, स्कूल मैनेजर श्री तरणजीत सिंह टूटेजा, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

न्यायालय न्यायालय तहसीलदार कुमरदा, जिला-राजनांदगांव

॥ ईस्तहार ॥

ब-121 / वर्ष 2024-2025

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका संतोषी पिता नारायण राम जाति तेली निवासी ग्राम चारभांठा तहसील कुमरदा जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है। कि आवेदिका अपने स्वयं संतोषी पिता नारायण राम का जन्म दिनांक 11/10/1981 को स्थान चारभांठा में हो गया है। आवेदक द्वारा अज्ञात वंश जन्म तिथि का पंजीयन ग्राम पंचायत में नहीं करा पाया है। 2. जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय का अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत का अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, अनापत्ति प्रमाण पत्र, पंचनामा, अंकसूची, आधारा कार्ड मय आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध मे जिस किसी को किसी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/04/2025 के पूर्व स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

जारी दिनांक - 07/04/2025
पेशी दिनांक - 22/04/202

सील

तहसीलदार
कुमरदा,
जिला-राजनांदगांव

ज्ञान मंथन

1) संविधान सभा का निर्माण किस योजना के तहत किया गया था?
2) ऐतिहासिक मतंगेश्वर मंदिर कहाँ स्थित है?
3) योजना आयोग के स्थान पर एक नई संस्था नीति आयोग का गठन कब किया गया?
4) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के अतिरिक्त सदस्यों की कुल संख्या कितनी है?
5) गोवा में पणजी में आयोजित इंटरनेशनल पर्पल महोत्सव में 8000 व्यक्तियों ने भाग लिया इसमें विकलांग लोगों के लिए कौन सा टेलीविजन चैनल भी प्रारम्भ किया गया?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) कैबिनेट मिशन योजना (2) खजुराहो (3) 1 जनवरी, 2015 (4) 3 सदस्य (5) पर्पल टी वी भारत

ग्रीष्मावकाश में समर क्लास अथवा किसी भी विभागीय गतिविधियों का किया जाएगा जबरदस्त विरोध एवं बहिष्कार

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। अभी ग्रीष्मावकाश शुरू हुआ भी नहीं और विभाग की नजरे शिक्षकों के प्रति टेढ़ी हो गई। इस वर्ष समर

क्लास के नाम पर रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। टाइम टेबल भी जारी हो गई। इस मुद्दे को लेकर छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने कहा है कि ग्रीष्म अवकाश में समर कैंप या किसी भी प्रकार की विभागीय गतिविधि चलाकर शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों एवं स्कूली बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जाना, उन्हें बेतहाशा गर्मी में परेशान अथवा प्रताड़ित करना, ये सब चीजें संगठन कतई बर्दास्त नहीं करेगा। संघ के प्रदेशाध्यक्ष जाकेश साहू, प्रदेश सचिव राजेंद्र लाडेकर, प्रदेश उपाध्यक्ष बीरेंद्र साहू, शिव कुमार साहू, तुलसीराम पटेल, नरेंद्र तिवारी, भोजराम साहू, कमलेश कुमार भारती आदि ने कहा कि स्कूली बच्चे गर्मी के दिनों में अपने मामा-मामी, नाना-नानी, चाचा-चाची, मौसी-मौसी सहित अन्य रिश्तेदारों के यहां जाते हैं। घूमते-फिरते हैं, जिससे उनका मानसिक विकास होता है। वे सालभर के पढ़ाई की व्यस्तता से रिफ्रेश होते है, उन्हें परिवार और रिश्तेदारों की जानकारी होती है। वर्षभर जुलाई से अप्रैल माह तक सारी स्कूली गतिविधियां संपन्न होती हैं। सारे प्रकार के शिक्षण कार्य जैसे शारीरिक, मानसिक, खेलकूद आदि सालभर सम्पन्न होते है। गर्मी के इस तपती धूप में बच्चों को राहत देने के लिए राज्य सरकार द्वारा ग्रीष्म अवकाश दिया जाता है, जो सदियों की परंपरा है। ग्रीष्म अवकाश में इतनी धूप रहती है कि सुबह से ही बेतहाशा गर्मी तन जाती है। स्कूल भवनों में काफी गर्मी रहती है अधिकांश स्कूल ऐसे हैं, जहां पर्याप्त पंखे-कूलर आदि नहीं है। ऐसे में ग्रीष्म अवकाश लगाना संभव ही नहीं है। दूसरी ओर अधिकांश शिक्षक ऐसे हैं जो वर्षों से घर परिवार से दूर-दराज में पदस्थ हैं। ऐसे शिक्षक भाई एवं शिक्षिका बहनों को सालभर से गर्मी छुट्टी का इंतजार रहता है। ग्रीष्म अवकाश लगते ही सभी शिक्षक व कर्मचारी अपने घर परिवार आदि में समय देते हैं। शादी-विवाह एवं रिश्तेदारों में समय देते हैं, लेकिन इस प्रकार का बेतुका आदेश शासन प्रशासन का शिक्षकों के प्रति दुर्भावना को दर्शाता है।

जहाँ ज्ञान हो, संस्कार हो, वहीं से राष्ट्र निर्माण की नींव पड़ती है

संस्कार सिटी में सांसद महोदय ने किया नवनिर्मित बहुउद्देशीय हॉल एवं बालक छात्रावास का उद्घाटन

राजनांदगांव। संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल, राजनांदगांव में 19 अप्रैल को एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें नवनिर्मित बहुउद्देशीय हॉल एवं बालक छात्रावास (200 बेड) का उद्घाटन और वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह एक साथ संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण अवसर पर रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनांदगांव के सांसद श्री संतोष पांडे जी ने की। इस गरिमामय कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता श्री खूबचंद पारख जी, राजनांदगांव के महापौर श्री मधुसूदन यादव जी और भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कोमल सिंह राजपूत जी, श्री अभिषेक अग्रवाल जी, कुलपति, आंजनेय यूनिवर्सिटी, रायपुर, श्री आदित्य अग्रवाल जी, श्री कुलबीर सिंह सलूजा जी, श्री सुरिन्द्र सिंह कबरवाल जी, श्री संतोष कुमार जैन जी, श्री राजेंद्र कोटडिया जी, श्री राजेश तिवारी जी एवं प्रबंधकगण श्री ललित अग्रवाल जी (अध्यक्ष), श्री अतुल देशलहरा जी (सचिव) व श्रीमती राखी देशलहरा जी एवं सम्मानित अतिथियों के रूप में बी.एड् कालेज की प्राचार्या डॉ. श्रीमती गुरप्रीत कौर छाबड़ा जी एवं फार्मेसी कालेज के प्राचार्य डॉ. टेकेश्वर वर्मा जी भी उपस्थित थे। सभी ने अपने संबोधन में विद्यालय के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन और मनमोहक गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात, विद्यालय के छात्रों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जो इस आयोजन के मुख्य आकर्षण रहे। इन प्रस्तुतियों में बॉलीवुड नृत्य की ऊर्जा, हनुमान चालीसा की भक्तिमय प्रस्तुति, महाभारत और रामायण के प्रसंगों का नाट्य रूपांतरण, राजस्थान के लोक नृत्य की जीवंतता, छत्तीसगढ़ के बारहमासी नृत्य की मनमोहक झलक, छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित विशेष प्रस्तुति और श्री रतन टाटा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि शामिल थीं। छात्रों की कड़ी मेहनत और कलात्मक कौशल ने उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्था की प्राचार्या श्रीमती रेखा तिवारी द्वारा विगत सत्र का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि श्री बृजमोहन अग्रवाल ने हॉल का उद्घाटन करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा, संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल के इस नए बहुउद्देशीय हॉल का उद्घाटन करते हुए मैं अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। यह मंच निश्चित रूप से विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए नए अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री संतोष पांडे ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, बच्चों की नैसर्गिक प्रतिभा और उनके अभिभावकों का सक्रिय सहयोग इस आयोजन को और भी खास बनाता है। यह विद्यालय के लिए निश्चित रूप से एक यादगार और गौरवशाली क्षण है। कार्यक्रम के दौरान, विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों के लिए पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों और उपस्थित गणमान्य अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। उपस्थित अभिभावकों ने भी इस शानदार आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार करते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने सभी आगंतुकों, अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि यह आयोजन विद्यालय के समग्र विकास के दृष्टिकोण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं एक सामूहिक फोटो सत्र के साथ हुआ, जिसने इस अविस्मरणीय दिन की खूबसूरत यादों को कैमरे में कैद कर लिया। यह आयोजन निस्संदेह संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन की प्रांतीय आमसभा संपन्न

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन की प्रांतीय आमसभा का भव्य आयोजन दुर्ग जिले के भिलाई स्थित विवेकानंद हॉल, स्मृति नगर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रांतीय निर्वाचन अधिकारियों द्वारा सर्वप्रथम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया, जिसके पश्चात दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने के पश्चात निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार नामांकन स्वीकार किए गए। प्रदेशभर से पधारे जिला अध्यक्षों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंतर्गत संगठन की एकता एवं प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए सर्वसम्मति से प्रांतीय पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन किया। प्रांताध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष,

उपाध्यक्ष, प्रमुख महामंत्री, महामंत्री, कोषाध्यक्ष पद पर एकल आवेदन प्राप्त होने के कारण संपूर्ण निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। प्रांताध्यक्ष पद पर राजेश चटर्जी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राजेन्द्र सिंह (दद्दा), उपाध्यक्ष पद पर चंद्रशेखर चंद्राकर एवं चंद्रभान सिंह निर्मलकर, प्रमुख महामंत्री सतीश ब्यौहरे, महामंत्री आकाश राय, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चन्द्राकर निर्विरोध निर्वाचित हुए। प्रांतीय प्रबंधकारिणी के गठन हेतु शेष पदाधिकारियों का मनोनयन का अधिकार आम सहमति से नव निर्वाचित प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को दिया गया। निर्वाचन अधिकारी द्वय दीपक चौधरी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीके दास ने निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा करते हुए निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

लचन कानून व्यवस्था का आरोप : कांग्रेस आज घेरेगी सीएम हाउस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लचर कानून व्यवस्था को लेकर 21 अप्रैल को कांग्रेस मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी. इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राजीव भवन में वरिष्ठ नेताओं, ब्लाक अध्यक्षों तथा रायपुर के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की. इस दौरान मुख्यमंत्री निवास के घेराव को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई. पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जवाबदेही सौंपी गई है.

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी को दी गई ब्रह्माकुमारीज द्वारा श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजनांदगांव द्वारा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई । इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज राजनांदगांव की संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा बहन जी ने कहा कि दादी रतनमोहिनी जी यज्ञ की आधार स्तंभ थी । उनका योगयुक्त जीवन सबके किए प्रेरणादाई थी । दादी जी निरंतर शिव बाबा की याद में रहती थी जिससे उनका जीवन हजारों भाई बहनों के लिए तपस्या की एक मिसाल बन गई । दादी जी यज्ञ के प्रति वफादार कर्मठ तथा एकानामी की अवतार थी । ज्ञातव्य है कि ब्रह्माकुमारीज माउंट आबू की मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी जी ने विगत 8 अप्रैल को अपना नश्वर देह का त्याग कर शिव बाबा की गोद ली । इस अवसर पर उनका श्रद्धांजलि कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज राजनांदगांव के ज्ञान मानसरोवर में 20 अप्रैल रविवार को प्रातः 8 बजे रखा गया था । इस अवसर संस्था के हजारों भाई बहनों ने वहां पहुंचकर दादी जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया । दादी जी के संबंध ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी जी बताया कि दादी जी का जन्म 25 मार्च 1925 को सिंध हैदराबाद में हुआ था । घर में प्रथम पुत्री आने की खुशी में आपके माता पिता ने आपका नाम लक्ष्मी रखा । लेकिन किसी ने भी नहीं सोचा था कि कल की यही बेटी अध्यात्म और नारी शक्ति का जगमग सितारा बनकर सारे जग को रोशन करेगी । महज 13 वर्ष की आयु में आप 1937 में ब्रह्मकुमारीज के संपर्क में आ गई थी । धीरे धीरे ज्ञान योग में आपकी लगन बढ़ती गई । इसके बाद अपने शिव बाबा का संदेश देने का कार्य प्रारंभ किया । सन 1956 से 1969 तक आप मुंबई में सेवाएं प्रदान की । इस दौरान आप साकार ब्रह्मा बाबा के साथ 32 साल साथ रही । 50 हजार ब्रह्माकुमारी पाठशाला तथा 6000 सेवाकेंद्र आपके कुशल मार्गदर्शन में आज भी संचालित है । आपने सन 1954 में जापान में आयोजित विश्व शांति सम्मेलन में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया था । आप संस्थान की युवा प्रभाग की अध्यक्ष भी थी । आप विगत 4 वर्षों से ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू की मुख्य प्रशासिका थी । आपके जैसे महान आत्मा का जाना हम सबके लिए अपूरणीय क्षति है । सारा ब्रह्माकुमारी परिवार आपको भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

धर्म समाचार....

प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर चढ़ाएं ये चीजें, खुलेंगे सफलता के रास्ते

सनातन धर्म में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। शिव पुराण में महादेव की महिमा देखने को मिलती है। भगवान शिव को हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि समर्पित है। इस दिन महादेव की उपासना संध्याकाल में करने का विधान है। आइए जानते हैं कैसे करें भगवान शिव को प्रसन्न? सनातन धर्म में प्रदोष व्रत को शुभ माना जाता है। इस दिन महादेव और मां पार्वती की पूजा संध्याकाल में होती है और जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति के लिए व्रत भी किया जाता है। साथ ही विशेष चीजों के द्वारा शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महादेव का अभिषेक करने से सफलता के रास्ते खुलते हैं। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर क्या चढ़ाना चाहिए?

शिवलिंग पर क्या चढ़ाएं

प्रदोष व्रत की शुभ तिथि पर शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस दिन पूजा के समय शिवलिंग पर जल और घी अर्पित करें। इस दौरान प्रभु से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से महादेव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा साधक पर बनी रहती है। जीवन में खुशियों का आगमन के लिए प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर दूध, दही, शहद और बेलपत्र चढ़ाएं। ऐसा माना जाता है कि शवलिंग का इन चीजों से अभिषेक करने से बिजनेस में बढ़ोतरी होती है और रुके हुए काम पूरे होते हैं।

साथ ही सभी मुरादें पूरी होती हैं।

भूलकर भी न चढ़ाएं ये चीजें

शिवलिंग पूजा के समय नियम का पालन करना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शिवलिंग पर भूलकर भी तुलसी के पत्ते, हल्दी और सिंदूर अर्पित करने की मनाही है। ऐसा माना जाता है कि इन चीजों के द्वारा शिवलिंग का अभिषेक करने से जीवन में कई तरह की समस्या आ सकती है।

प्रदोष व्रत 2025 डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की 25 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 44 मिनट से होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 26 अप्रैल को सुबह 08 बजकर 27 मिनट पर होगा। इस प्रकार 25 अप्रैल को प्रदोष व्रत किया जाएगा।महादेव की पूजा करने का समय शाम 06 बजकर 33 मिनट से 09 बजकर 03 मिनट तक है।

श्रीकृष्ण की उद्धव को सीखःसमय रहते सही फैसले लें और अपने धन का सही इस्तेमाल करें, वर्ना बाद में पछताना पड़ता है

जीवन में सफलता केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि उनके उचित उपयोग और समय पर सही निर्णय लेने की समझ से मिलती है। श्रीकृष्ण ने अपने मित्र उद्धव को एक कथा सुनाकर सुख-शांति और सफलता का रहस्य समझाया था। कुछ कार्य ऐसे हैं, जिन्हें समय पर कर लेना ही बुद्धिमानी है। ये कहानी उज्जैन के एक ब्राह्मण की है, जो एक गलती की वजह से हमेशा दुखी रहा। कथा के मुताबिक, उज्जैन का वह ब्राह्मण बेहद धनवान था। उसने मेहनत से खेती और व्यापार कर अपार संपत्ति अर्जित की, लेकिन जीवन जीने की कला उसे नहीं आई। वह धन के प्रति इतना आसक्त था कि न अपने लिए कुछ खर्च करता, न अपने परिवार और मित्रों के लिए। उसकी आदतें- जैसे कंजूसी, वासना में लिप्तता, गुस्सा और असंवेदनशीलता, उसे अपनों से दूर करती गईं। वह अकेलेपन की ओर बढ़ता गया, लेकिन उसे इसका आभास तक नहीं हुआ। धन को संजोकर रखने की उसकी कोशिश अंततः विफल रही। धीरे-धीरे उसकी संपत्ति नष्ट होने लगी। कुछ संपत्ति परिवार वालों ने हड़प ली, कुछ चोरी चली गई, कुछ व्यापार में घाटे में डूब गई और बाकी शासकों ने छीन ली। जब तक उसके पास धन था, सब उसके आसपास थे; लेकिन जब सब कुछ चला गया तो वह अकेला और असहाय रह गया। एक दिन जब वह दर-दर की ठोकरें खा रहा था, तब किसी ने उससे पूछा कि अब कैसा लग रहा है? ब्राह्मण का उत्तर दिया कि जब मेरे पास धन था, तब मैंने उसका सही उपयोग नहीं किया। आज सब कुछ खोकर पछता रहा हूं।

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉफ्ट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बैग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बेट, टी-टी बेट, ट्रेक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बैग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

टंकी लग जाने से रामनगर में पानी की समस्या से मिलेगी राहत : मधुसूदन यादव

मोतीपुर रामनगर में लगा सिन्टेक्स टंकी, महापौर की उपस्थिति में पानी सप्लाई शुरू

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। इस ग्रीष्म ऋतु में मार्च माह से ही मोहारा शिवनाथ नदी का जल स्तर कम होने से पानी सप्लाई में व्यवधान हो रहा है। नगर निगम द्वारा सुचारू पेयजल सप्लाई हेतु प्रयास किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में पानी की समस्या हो रही है, वहा टेंकर के माध्यम से पानी सप्लाई की जा रही है, तथा सिन्टेक्स टंकी भी लगाया जा रहा है। इसी कडी में वार्ड नं. 8 मोतीपुर रामनगर में पानी की समस्या पर सिन्टेक्स टंकी लगाया गया, जिसका कल महापौर श्री मधुसूदन यादव द्वारा पूजा अर्चना कर रामनगर वासियों की उपस्थिति में टंकी से पानी सप्लाई चालू की गयी। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा, वार्ड के पार्षद श्री मनोहर यादव, पार्षद श्री कमलेश बंधे विशेष रूप से उपस्थित थे। महापौर श्री यादव ने इस अवसर पर कहा कि गर्मी बढने के कारण नदी का जल स्तर कम हो गया है, जिससे कठिनाई तो हो रही है, लेकिन पेयजल जैसे महत्वपूर्ण कार्य को ध्यान मे रखकर पर्याप्त पानी सप्लाई करने नगर निगम द्वारा प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नदी का जल स्तर बढाने, मटिया मोती जलाशय से लगातार पानी लिया जा रहा है। परिस्थिति अनुसार मोगरा जलाशय से भी पानी लिया जायेगा। वर्तमान में दो दिन में तीन समय पानी सप्लाई की जा रही है, वही कम प्रेशर व पानी की समस्या वाले क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई की जा रही है तथा कुछ स्थानों पर सिन्टेक्स टंकी भी लगाया जा रहा है। महापौर ने कहा कि आज रामनगर मे पानी की समस्या को ध्यान में रखकर सिन्टेक्स टंकी लगाया गया, जिसके माध्यम से रामनगर वासी किसी भी समय पानी भर सकते है। सिन्टेक्स टंकी भरने के लिए बोर में पंप लगाया गया है, जिससे टंकी समय पर भरी जायेगी और लोगो को पानी भरने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लखोली में दो स्थानों पर दुर्गा चौक मंगल भवन के पास, शीतला मंदिर के पास भी सिन्टेक्स टंकी लगाई गई है, जिससे वहा निवासरत लोगो को पानी मिल सके। इसी प्रकार आवश्यकता अनुसार सिन्टेक्स टंकी

अन्य स्थानो पर भी लगाई जायेगी। पार्षद श्री मनोहर यादव एवं रामनगर की महिलाओ ने टंकी लगने पर महापौर का आभार व्यक्त कर कहा कि, आपके प्रयास से पानी की समस्या से राहत मिला। इस पर महापौर श्री यादव ने कहा कि पानी की समस्या से हम सबको मिलकर निपटना है, इसके लिए सभी को जागरूक होना है और आवश्यकता अनुसार ही पानी का उपयोग करना है। किसी भी परिस्थिति में पानी का अपव्यय नही करना है।

रानी सती दादीजी पर आधारित मोटी सेठानी फिल्म का प्रसारण आज

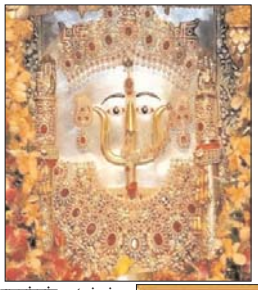

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। श्री राणी सती दादी जी के आशीर्वाद से पूरे भारत में श्री दादीजी की जीवनी पर आधारित फिल्म मोटी सेठानी रिलीज हो चुकी है। हमें अत्यन्त हर्ष सहित गौरव की अनुभूति हो रही है कि संस्कारधानी नगरी के दादीजी भक्त परिवार धन लक्ष्मी पेपर मिल (लोहिया परिवार) द्वारा इस मूवी को राजनांदगांव मे दिखाने की व्यवस्था की गई है । इसके लिए दिनांक 21 अप्रैल सोमवार समय दोपहर 2:30 बजे से शाम 06:00 बजे तक का निर्धारित किया गया है । पिक्चर प्रारंभ होने के पूर्व रानी सती दादीजी की आरती की जाएगी । अनिता लोहिया एवं अनुराधा लोहिया ने उन सभी भक्तों से जिन्होंने पिक्चर देखने पूर्व में स्वीकृति प्रदान की है, उनसे आग्रह किया है कि सिल्वर स्क्रीन , बसंतपुर में दोपहर 02:30 बजे अवश्य पहुंचे ।

कृषि, कौशल उन्नयन, पर्यटन और उद्योग के क्षेत्र में संतुलित विकास के साथ

विकसित बस्तर की ओर

नक्सल हिंसा के चलते लंबे समय से विकास से अछूते रहे बस्तर क्षेत्र में अब सुनियोजित रणनीति के साथ समस्या के उन्मूलन पर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार एक तरफ नक्सलवाद के खिलाफ ठोस रणनीति बनाकर एक निश्चित समय अवधि तक इसके संपूर्ण उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर बस्तर में समावेशी विकास के लिए एक विस्तृत रोड मैप पर कार्य चल रहा है। कृषि, पर्यटन, उद्योग और कौशल उन्नयन पर यहां सरकार का विशेष फोकस है। बस्तर में उपलब्ध संसाधनों और वहां की भौगोलिक, सामाजिक स्थितियों के आधार पर विकास का एक प्रारूप तैयार किया गया है, जिसके आधार पर विकसित बस्तर की बुनियाद रखी जा रही है।

पर्यटन: सांस्कृतिक पहचान से समृद्धि की ओर

बस्तर दशहरा की अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है, जिसे अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने की योजना बनाई गई है। यह न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को वैश्विक पहचान दिलाएगा। बस्तर पर्यटन सर्किट को विकसित करने, तीरथगढ़ जलप्रपात पर पारदर्शी पुल बनाने और स्थानीय युवाओं को पर्यटक गाइड के रूप में प्रशिक्षित करने की योजनाएं रोजगार, निवेश और सांस्कृतिक जागरूकता के तीनों पहलुओं को साधती हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे, कैंपिंग और ईको पर्यटन की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। बस्तर जिले में कोसारटेडा सिंचाई जलाशय को अब ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे यहां के महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेगा।
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पहले साल के कार्यकाल में बस्तर के नक्सल प्रभावित इलाकों में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। नक्सलियों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाकर, इस साल सबसे ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया गया है। अब सरकार का

लक्ष्य बस्तर को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है। चित्रकोट वाटर फॉल को नियाग्रा फॉल्स जैसा खूबसूरत बताते हुए, साय ने इसे राज्य की एक बड़ी संपत्ति बनाने का वादा किया है। साथ ही, बस्तर में शांति वार्ता की पेशकश भी की गई है। नक्सलियों के पुनर्वास के लिए नई नीति के तहत, आत्मसमर्पित नक्सलियों और हिंसा के पीड़ितों को 15,000 घर दिए जाएंगे, कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और 10,000 रुपए प्रति माह का वज़ीफा दिया जाएगा। बस्तर के धुड़मारास गांव को UNW-TO की तरफ से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में मान्यता मिलना इस बात का प्रमाण है।

कौशल उन्नयन: बस्तर के युवाओं को मिलेगा नया भविष्य

बस्तर के युवाओं को अब तक या तो शहरी पलायन का विकल्प मिलता था या नक्सल संगठनों की ओर से बहकाने वाले रास्ते। "विकसित बस्तर" परिस्थिति को जड़ से बदलने का प्रयास है। इसमें 90 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और 40 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इस रणनीति का विशेष आकर्षण "आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति 2025" है, जिसमें रोजगार, प्रशिक्षण और पुनर्वास की ठोस व्यवस्था है। यह केवल कानून-व्यवस्था का समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता की ओर उठाया गया बड़ा कदम है। 32 नए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना से यह प्रयास ज़मीन पर आकार लेता दिख रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नक्सल प्रभावित बस्तर के कांकेर और कोंडागांव जिलों में स्कूली बच्चों के लिए एक महत्वपूर्णयोजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत, बच्चों को रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शिक्षा दी जाएगी। यह पहल आदिवासी बच्चों के कौशल विकास को ध्यान में रखते हुए की गई है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री के समक्ष रखा बस्तर विकास का रोड मैप

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पिछले दिनों दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य के विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बस्तर के विकास के लिए तैयार किए गए मास्टर प्लान का खाका भी प्रधानमंत्री को सौंपा। छह प्रमुख एजेंडों और 19 बिंदुओं पर आधारित इस योजनाओं की श्रृंखला में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं, उद्योगों और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने का मसौदा तैयार किया गया है। बस्तर को एक नए औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करना, बांस, लघु वनोपज और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के प्रसंस्करण हेतु उद्योग स्थापना, शिक्षा और कौशल विकास के लिए आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों की संख्या में वृद्धि, युवाओं को तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण देना, पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के लिए विभिन्न कार्यों सहित नई उद्योग नीति के साथ बस्तर में संतुलित औद्योगिक विकास का रास्ता बनाना और नई नक्सली आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति के तहत किए जाने वाले कार्य शामिल हैं।

"बस्तर अब शांति की ओर बढ़ चुका है, अब सरकार का लक्ष्य लोगों को सम्मानजनक आजीविका देना है। सरकार न केवल कौशल विकास पर ध्यान देगी, बल्कि स्थानीय लोगों को स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी। इससे बस्तर का युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि पूरे देश और दुनिया में अपने हुनर की पहचान बना सकेगा।

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सामाजिक-आर्थिक बदलाव की शुरुआत

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में एक ओर प्रकृति की विराटता है, तो दूसरी ओर विकास की विफलताओं की लंबी छाया। दशकों से यह इलाका नक्सलवाद, बेरोजगारी, पलायन और उपेक्षा की जटिलताओं में उलझा रहा, लेकिन अब यह बदलाव की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अगुवाई में राज्य सरकार ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए योजनाओं की श्रृंखला "विकसित बस्तर की ओर", शुरू की है, जो बस्तर के समावेशी विकास, सामाजिक पुनर्निर्माण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक ठोस रूपरेखा प्रदान करती है। यह केवल योजनाओं की श्रृंखला नहीं, बल्कि राज्य की उस नई सोच की झलक है, जो विकास को सुरक्षा के साथ, संस्कृति के साथ और मानवीय गरिमा के साथ जोड़ना चाहती है।

कृषि: स्थानीयता और नवाचार का संतुलन

बस्तर की अर्थव्यवस्था का मूल आधार आज भी कृषि और वनों पर आधारित जीवनशैली है। "विकसित बस्तर" तहत किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर विशेष ज़ोर है। मोटे अनाज जैसे कोदो, कुटकी और रागी को बढ़ावा देना 'मिलेट मिशन' का हिस्सा है, जो पोषण और आय दोनों में वृद्धि कर सकता है। इसके अलावा, कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए हर ब्लॉक स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। यह कदम छोटे किसानों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने में मदद करेगा।

उद्योग: स्थानीय उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

"विकसित बस्तर" स्थानीय युवाओं, महिला उद्यमियों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को उद्यमिता की धारा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। नई उद्योग नीति में इस क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जैसे इस्पात उद्योगों को 15 वर्षों तक रॉयल्टी की प्रतिपूर्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों को नौकरी देने वाले संस्थानों को 5 वर्षों तक उनके वेतन का

40% सब्सिडी देना। यह कदम न केवल बस्तर की सामाजिक संरचना को सुदृढ़ करेगा, बल्कि निजी क्षेत्र को भी सामाजिक ज़िम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देगा।

SAMVAD : R.O. No : 43586/128

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com